चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.9.23	2	3-4

एचएयू से 8 वैज्ञानिक और 35 गैर शिक्षक सेवानिवृत्त

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिह्न भेंट कर के सम्मानित किया।

विश्वविद्यालय से गत चार माह में कुल आठ वैज्ञानिक तथा 35 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। वैज्ञानिकों में डा. सतीश कुमार गोयल, डा. मेहरचंद काम्बोज, डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. प्रद्युम्न भटनागर, डॉ. कृष्ण दत्त सहरावत, डा. रणबीर सिंह सैनी, डा. सुलेमान मोहम्मद, डा. ऐएस मलिक, जबकि गैरशिक्षक कर्मचारियों में महेंद्र कुमार, उषा रानी, पुष्पा देवी, अत्तर सिंह, कृष्ण लाल, ओमप्रकाश, रणधीर सिंह, हेमनाथ, बिहारी, कमला देवी, सोनी, पदमा देवी, राजिंदर सिंह, रघुनाथ, महेंद्र सिंह, बलराज सिंह, रामफल, प्रेम सिंह, भगवान, बिमला देवी, सूरजमल, पतंजलि, ज्ञान प्रकाश, हरीशचंद्र, ओम प्रकाश, धर्मपाल, नसीब सिंह, कल्लो, वीना रानी ग्रोवर, आशा रानी, कमलेश कुमार, सूरजभान, सुमित्रा व आजाद सिंह शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10-9-23	4	1-3

सेवा सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

एच.ए.यू. में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

हिसार, 9 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान 43 सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर के सम्मानित किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। यह सभी के प्रयासों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए हुए है।

विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को मिलने वाले सभी सेवानिवृति लाभों की विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय से गत 4 माह में 8 वैज्ञानिक तथा 35 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। वैज्ञानिकों में डॉ. सतीश कुमार गोयल, डॉ. मेहर चंद काम्बोज, डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. प्रद्युमन भटनागर, डॉ. कृष्ण दत्त सहरावत, डॉ. रणबीर सिंह सैनी, डॉ. सुलेमान मोहम्मद व डॉ. ए.एस. मलिक शामिल है।

गैरशिक्षक कर्मचारियों में महेंद्र कुमार, उषा रानी, पुष्पा देवी, अत्तर सिंह, कृष्ण लाल, ओमप्रकाश, रणधीर सिंह, हेमनाथ, बिहारी, कमला देवी, सोनी, पदमा देवी, राजिंदर सिंह, रघुनाथ, महेंद्र सिंह, बलराज सिंह, रामफल, प्रेम सिंह, श्रीभगवान, विमला देवी, धर्मबीरी, सूरज मल, पतंजलि, ज्ञान प्रकाश, हरीशचंद्र, ओम प्रकाश, धर्मपाल, नसीब सिंह, कल्लो, वीना रानी ग्रोवर, आशा रानी, कमलेश कुमार, सूरजभान, सुमित्रा व आजाद सिंह शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	10-9-23	10	3-6

आठ वैज्ञानिक व 35 गैर शिक्षक कर्मचारी हुए सेवानिवृत

- एचएयू के उत्थान में कर्मचारियों के योगदान को भुलाया नही जा सकता : प्रो. काम्बोज
- एचएयू में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

हिसार। सेवा सम्मान समारोह में सेवानिवृत हुए कर्मचारी कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए शनिवार को सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि थे। उन्होंने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर के सम्मानित किया। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। यह सभी के प्रयासों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए हुए है। आपके योगदान का ऋण उतारा नहीं जा सकता। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. बलवान सिंह मंडल, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, उप वित्त नियंत्रक शोभित कपूर व अंशुल भी उपस्थित थे।

चार माह में यह हुए सेवानिवृत

विश्वविद्यालय से गत चार माह में कुल आठ वैज्ञानिक तथा 35 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। वैज्ञानिकों में डॉ. सतीश कुमार गोयल, डॉ. मेहर चंद काम्बोज, डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. प्रद्युम्न भटनागर, डॉ. कृष्ण दत्त सहरावत, डॉ. रणबीर सिंह सैनी, डॉ. सुलेमान मोहम्मद व डॉ. एसएस मलिक, जबकि गैरशिक्षक कर्मचारियों में महेंद्र कुमार, उषा रानी, पुष्पा देवी, अत्तर सिंह, कृष्ण लाल, ओमप्रकाश, रणधीर सिंह, हेमनाथ, बिहारी, कमला देवी, सोनी, पदमा देवी, राजिंदर सिंह, रघुनाथ, महेंद्र सिंह, बलराज सिंह, रामफल, प्रेम सिंह, श्री भगवान, बिमला देवी, धर्मबीरी, सूरज मल, पतंजलि, ज्ञान प्रकाश, हरीशचंद्र, ओम प्रकाश, धर्मपाल, वजीर सिंह आदि शामिल थे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10-9.23	4	1-2

8 वैज्ञानिकों सहित 43 कर्मियों को किया सम्मानित

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अप्रैल से जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिह्न भेंट कर के सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को मिलने वाले सभी सेवानिवृत्ति लाभों की विस्तार से जानकारी दी। रजिस्ट्रार डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों व कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, उप वित्त नियंत्रक शोभित कपूर व अंशुल भी उपस्थित थे। चार माह में कुल आठ वैज्ञानिक और 35 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। वैज्ञानिकों में डॉ. सतीश कुमार गोयल, डॉ. मेहर चंद कांबोज, डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. रणबीर सिंह सैनी, डॉ. सुलेमान मोहम्मद आदि कर्मचारी उपस्थित रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.9.23	2	1-2

एचएयू के उत्थान में कर्मचारियों के योगदान खास : प्रो. काम्बोज

सेवा सम्मान समारोह मे सेवानिवृत हुए कर्मचारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

जासं, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने कहा कि एचएयू के उत्थान में कर्मचारियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सदैव सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए खुले हैं। वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। रजिस्ट्रार डा. बलवान सिंह मंडल ने अच्छे स्वास्थ्य व लम्बी उम्र की कामना की। इस अवसर पर डा. अतुल ढींगड़ा, डा. संदीप आर्य, उप वित्त नियंत्रक शोभित कपूर व अंशुल भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	09.09.2023	--	--

हिसार: एचएयू के उत्थान में कर्मचारियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता: प्रो. बीआर कम्बोज

1d · 1 shares

हिसार, 9 सितम्बर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए शनिवार को सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर के सम्मानित किया।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। यह सभी के प्रयासों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए हुए है, आपके योगदान का ऋ ण उतारा नहीं जा सकता। उन्हें सेवानिवृति के बाद भी विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर उनके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देते रहना चाहिए। उन्होंने उनसे विश्वविद्यालय के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखने और कर्मचारियों की भावी पीढ़ी से अपने अनुभव सांझा करने का आहवान किया ताकि वे भी उनकी भान्ति सहनशीलता के साथ कार्य निष्पादन कर सकें। प्रो. कम्बोज ने अधिकारियों से कहा कि जब कभी भी रिटायर्ड कर्मचारी विश्वविद्यालय में आए तो उन्हे उचित मान सम्मान दिया जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	09.09.2023	--	--

एचएयू में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

एचएयू के उत्थान में कर्मचारियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता : प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर के सम्मानित किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। यह सभी के प्रयासों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए हुए है। आपके योगदान का ऋण उतारा नहीं जा सकता। उन्हें सेवानिवृति के बाद भी विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर उनके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देते रहना चाहिए। उन्होंने उनसे विश्वविद्यालय के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखने और कर्मचारियों की भावी पीढ़ी से अपने अनुभव साझा करने का आह्वान किया ताकि वे भी उनकी भान्ति सहनशीलता के साथ कार्य निष्पादन कर सकें। प्रो. काम्बोज ने अधिकारियों से कहा कि जब कभी भी रिटायर्ड कर्मचारी विश्वविद्यालय में आए तो उन्हे उचित मान सम्मान दिया जाए। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सदैव सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए खुले हैं। वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। उन्होंने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को मिलने वाले सभी सेवानिवृति लाभों की विस्तार से जानकारी दी। रजिस्ट्रार डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सेवानिवृत वैज्ञानिकों व कर्मचारियों को बधाई दी, साथ ही उनके अच्छे स्वास्थ्य व लम्बी उम्र की कामना की। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, उप वित्त नियंत्रक शोभित कपूर व अंशुल भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय से गत चार माह में कुल आठ वैज्ञानिक तथा 35 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। वैज्ञानिकों में डॉ. सतीश कुमार गोयल, डॉ. मेहर चंद काम्बोज, डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. प्रद्युम्यन भटनागर, डॉ. कृष्ण दत्त सहरावत, डॉ. रणबीर सिंह सैनी, डॉ. सुलेमान मोहम्मद व डॉ. ए.एस. मलिक, जबकि गैरशिक्षक कर्मचारियों में महेंद्र कुमार, उषा रानी, पुष्पा देवी, अत्तर सिंह, कृष्ण लाल, ओमप्रकाश, रणधीर सिंह, हेमनाथ, बिहारी, कमला देवी, सोनी, पदमा देवी, राजिंदर सिंह, रघुनाथ, महेंद्र सिंह, बलराज सिंह, रामफल, प्रेम सिंह, श्री भगवान, विमला देवी, धर्मबीरी, सूरज मल, पतंजलि, ज्ञान प्रकाश, हरीशचंद्र, ओम प्रकाश, धर्मपाल, नसीब सिंह, कान्ती, बीना रानी ग्रोवर, आशा रानी, कमलेश कुमार, सूरजभान, सुमित्रा व आजाद सिंह शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	09.09.2023	--	--

एचएयू में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए समारोह आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। कुलपति ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। उन्हें सेवानिवृति के बाद भी विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर उनके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देते रहना चाहिए। प्रो. काम्बोज ने कहा कि जब भी रिटायर्ड कर्मचारी विश्वविद्यालय में आए तो उन्हें मान सम्मान दिया जाए।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.09.2023	--	--

एचएयू में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

एचएयू के उत्थान में कर्मचारियों के योगदान को भुलाया नही जा सकता : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 8 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फलैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अप्रैल, मई, जून व जुलाई माह के दौरान कुल 43 सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर के सम्मानित किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। यह सभी के प्रयासों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए हुए है। आपके योगदान का ऋण उतारा नहीं जा सकता। उन्हें सेवानिवृति के बाद भी विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर उनके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देते रहना चाहिए। उन्होंने उनसे विश्वविद्यालय के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखने और कर्मचारियों को भावी पीढ़ी से अपने अनुभव साझा करने का आह्वान किया ताकि वे भी उनकी भांति सहनशीलता के साथ कार्य निष्पादन कर सकें। प्रो. काम्बोज ने अधिकारियों से कहा कि जब कभी भी रिटायर्ड कर्मचारी विश्वविद्यालय में आए तो उन्हें उचित मान सम्मान दिया जाए। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सदैव सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए खुले हैं। वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। उन्होंने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को मिलने वाले सभी सेवानिवृति लाभों की विस्तार से जानकारी दी। रजिस्ट्रार डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सेवानिवृत वैज्ञानिकों व कर्मचारियों को बधाई दी, साथ ही लम्बी उम्र की कामना की। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, उप वित्त नियंत्रक शोभित कपूर व अतुल भी उपस्थित थे। गत चार माह में कुल आठ वैज्ञानिक तथा 35 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। वैज्ञानिकों में डॉ. सतीश कुमार गोयल, डॉ. मेहर चंद काम्बोज, डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. प्रद्युम्न भटनागर, डॉ. कृष्ण दत्त सहरावत, डॉ. रणबीर सिंह सैनी, डॉ. सुलेमान मोहम्मद व डॉ. ए.एस. मलिक, जबकि गैरशिक्षक कर्मचारियों में महेंद्र कुमार, ऊषा रानी, पुष्पा देवी, अतर सिंह, कृष्ण लाल, ओमप्रकाश, रणधीर सिंह, हेमनाथ, बिहारी, कमला देवी, शांती, पदमा देवी, राजेंद्र सिंह, रघुनाथ, महेंद्र सिंह, बलराज सिंह, सतपाल, प्रेम सिंह, श्री भगवान, विमला देवी, धर्मवीरी, सूरज मल, पतंजलि, ज्ञान प्रकाश, हरिचंद, ओम प्रकाश, धर्मपाल, नसीब सिंह, काशी, वीना रानी ग्रोवर, आशा रानी, कमलेश कुमार, सूरजभान, सुमित्रा व आजाद शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	09.09.2023	--	--

हकृवि के चार छात्र आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में करेंगे डि

चयनित छात्र आस्ट्रेलिया की डब्ल्यू.एस.यू में एम.एस.सी व पीएचडी डिग्री के लिए करेंगे शं

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चार स्नातकोत्तर छात्रों का आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी (डब्ल्यू.एस.यू) में ड्यूल डिग्री पाठ्यक्रम के तहत एम.एस.सी और पीएचडी डिग्री के लिए चयन हुआ है। चयनित छात्रों में कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस से दो छात्राएं मंजु सहारण व कांति, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के छात्र आदित्य सहरावत और कॉलेज ऑफ बायोटैक्नोलॉजी की छात्रा अनु बैनीवाल शामिल हैं। ये चयनित विद्यार्थी ड्यूल डिग्री के तहत हकृवि में अपना पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं, जबकि डिग्री के लिए आवश्यक अनुसंधान डब्ल्यूएसयू में करेंगे। आस्ट्रेलिया प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शोध हेतु अवसर प्रदान करने के लिए आभार जताया। कुलपति ने इन चयनित विद्यार्थियों को उनके उच्च शिक्षा के सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को नवीनतम तकनीक का प्रयोग करके विदेश में पूरी की गई शिक्षा का अभ्यास अपने देश के किसानों के हित में करना चाहिए। डब्ल्यू.एस.यू में शिक्षा के दौरान छात्रा कांति शिमला मिर्च फसल की गुणवत्ता व बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए प्राप्त जानकारियों पर शोध करेंगी ताकि शिमला मिर्च में पाए जाने वाले कैरोटीनॉयड और सूक्ष्म पोषक तत्वों की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सके, जिससे हृदय रोग, कैंसर, विटामिन ए की कमी आदि से लड़ने में मददगार तत्वों का पता लगाया जा सके। छात्रा मंजु डिजिटल वितरण के विकल्पों पर अध्ययन करेंगी ताकि नई-नई तकनीकों से किसानों को उनकी खेती व उपज को सुधारा जा सके। इससे कृषि प्रवृत्तियों और किसानों को सही जानकारियां, सलाह व संदेश प्राप्त करने में आसानी होगी, जिससे किसानों की उत्पादकता व आय में वृद्धि होगी प्रकार छात्रा अनु जैव प्रौद्योगिकरण त विषय पर शोध कर जल संरक्षण के जागरूक करेंगी, जबकि छात्र अ आधुनिक तकनीक का प्रयोग करके पौ पैदावार व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए ा फंग माइकोराइजा का पौधों के बीच संब गहनता से अध्ययन करेंगे। इस अवस ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञा मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठा एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन नि डॉ. मंजु मेहता, अंतर्राष्ट्रीय सेल की प्रभा आशा क्वात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामल संयोजक डॉ. अनुज राणा मौजूद रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	09.09.2023	--	--

हकृवि के चार छात्र आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में करेंगे डिग्री

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चार स्नातकोत्तर छात्रों का आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी (डब्ल्यू.एस.यू) में ड्यूल डिग्री पाठ्यक्रम के तहत एम.एस.सी और पीएचडी डिग्री के लिए चयन हुआ है। चयनित छात्रों में कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस से दो छात्राएं संजू सहारण व कांति, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के छात्र आदित्य सहरावत और कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा अंजू बैनीवाल शामिल हैं। ये चयनित विद्यार्थी ड्यूल डिग्री के तहत हकृवि में अपना पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं, जबकि डिग्री के लिए आवश्यक अनुसंधान डब्ल्यूएसयू में करेंगे।

आस्ट्रेलिया प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शोध हेतु अवसर प्रदान करने के लिए आभार जताया। कुलपति ने इन चयनित विद्यार्थियों को उनके उच्च शिक्षा के सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को नवीनतम तकनीक का प्रयोग करके विदेश में पूरी की गई शिक्षा का अभ्यास अपने देश के किसानों के हित में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाठ्यक्रम संबंधित विषयों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ कई अनुबंध किए हैं। इसी कड़ी में आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में हकृवि के विद्यार्थी शिक्षा व शोध करने के लिए जा रहे हैं।

डब्ल्यू.एस.यू. में शिक्षा के दौरान छात्रा कांति शिमला मिर्च फसल की गुणवत्ता व बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए प्राप्त जानकारियों पर शोध करेंगी ताकि शिमला मिर्च में पाए जाने वाले कैरोटीनॉयड और सूक्ष्म पोषक तत्वों की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सके, जिससे हृदय रोग, कैंसर, विटामिन ए की कमी आदि से लड़ने में मददगार तत्वों का पता लगाया जा सके। छात्रा संजू डिजिटल वितरण के विकल्पों पर अध्ययन करेंगी ताकि नई-नई तकनीकों से किसानों को उनकी खेती व उपज को सुधारा जा सके। इससे कृषि प्रवृत्तियों और किसानों को सही जानकारियां, सलाह व संदेश प्राप्त करने में आसानी होगी, जिससे किसानों की उत्पादकता व आय में वृद्धि होगी। इसी प्रकार छात्रा अंजू जैव प्रौद्योगिकरण तकनीक विषय पर शोध कर जल संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगी, जबकि छात्र आदित्य आधुनिक तकनीक का प्रयोग करके पौधों की पैदावार व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए जैविक तत्व माइकोराइजा का पौधों के बीच संबंध पर गहनता से अध्ययन करेंगे।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु मेहता, अंतर्राष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.9.23	2	7-8

कपास की फसल को बीमारियों से बचाएं

जिंक व यूरिया का घोल बनाकर करें छिड़काव

हिसार। यह माह कपास की फसल के लिए महत्वपूर्ण है। इस समय फसल में बहुत फूल, बोकी व टिंडे होंगे। रेतीली मिट्टी वाले इलाकों में पोषक तत्वों की सर्वाधिक कमी अभी महसूस की जाएगी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के अनुसार जो फसल 100 दिन से कम की है या उसके आसपास है, वहां जिंक व यूरिया 100 लीटर पानी में दो से ढाई किलो यूरिया व 300 ग्राम जिंक का घोल बनाकर स्प्रे करें। 120 दिन के ऊपर की फसल पर 13045 के दो पैकेज प्रति एकड़ के हिसाब से स्प्रे करें। इसके अलावा यदि कपास ड्रिप पर लगाई हुई तो उसमें ड्रिप के माध्यम से पोषक तत्व दिए जाएं। जब दो तिहाई टिंडे पौधों पर तैयार हो जाएं, तो फसल में खुला पानी न लगाएं। ड्रिप व फव्वारा पद्धति के तहत पानी लगा सकते हैं। मगर इसमें दिन बढ़ा दिए जाएं। ब्यूरो

गुलाबी सुंडी से बचाव के लिए ऐसे करें प्रबंधन

- इस माह में नरमा की फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप पाया जाता है। इस माह में अपनी में गुलाबी सुंडी के प्रकोप की निगरानी जरूर करें। इसके लिए सप्ताह में दो बार नरमा फसल में 100 फूलों का निरीक्षण करें। इसके अलावा सप्ताह में एक बार अपनी फसल में 20 टिंडे खेत में अलग अलग जगह से तोड़कर उन्हें फाड़कर निरीक्षण करें। यदि 5-10 फूल गुलाबी सुंडी से ग्रसित मिले या 20 टिंडों को फाड़कर देखने पर 1-2 टिंडों में जीवित गुलाबी सुंडी मिलती है तो कीटनाशक के छिड़काव की जरूरत है। इसके अलावा गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2 फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाए और इनमें फंसने वाले गुलाबी सुंडी के पतंगों की तीन दिन के अंतराल पर गिनती करें। यदि इनमें कुल 24 पतंगे प्रति ट्रैप तीन रातों में आते हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता है। 90 से 120 दिनों की फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5-10 प्रतिशत होने पर एक छिड़काव प्रोफेनोफोस 50 ईसी की 800 मिलीलीटर मात्रा 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से करें। इसके बाद अगला छिड़काव जरूरत पड़ने पर क्यूनालफास 25 ईसी की 800-900 मिलीलीटर या थिओडिकार्ब 75 डब्ल्यूपी की 250-300 ग्राम मात्रा 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से 10-12 दिनों बाद करें। एक कीटनाशक का प्रयोग बार-बार न करें। वहीं 120 दिनों से ऊपर की फसल में 80 से 100 मिलीलीटर साइपरमेथ्रिन 25 ईसी या 160 से 200 मिलीलीटर डेकामेथरीन 2.8 ईसी या 125 मिलीलीटर फेनवलरेट 20 ईसी को 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से 7-10 दिनों के अंतराल पर करें।

अन्य बीमारियों में ये उपचार अपनाएं

- देसी कपास में इस माह में चितीदार सुंडी का प्रकोप होता है तो अपनी फसल पर निगरानी रखें। चितीदार सुंडी का प्रकोप फलिय भागों पर 5 प्रतिशत मिलने पर एक छिड़काव 75 मिलीलीटर स्पाइनोसैड 45 एससी को 150-175 लीटर पानी पानी प्रति एकड़ की दर से करें। इस माह में नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व हरे तेला का भी प्रकोप होता है। इसके लिए एक एकड़ में 20 पौधों की तीन पत्तियों पर सफेद मक्खी के व्यस्क एवं हरे तेला के शिशु की गिनती करें प्रति पत्ता औसत निकाल लें। सफेद मक्खी यदि 6-8 प्रौढ़ प्रति पत्ता एवं हरा तेला 2 शिशु प्रति पत्ता मिलते हैं तो फ्लोनिकामिड 50 डब्ल्यूजी की 60 ग्राम मात्रा या एफपुडोपाइरोपेन की 400 मिली मात्रा को प्रति 200 लीटर पानी प्रति एकड़ क दर से छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11-9-23	2	1-4

तोरिया इसी हफ्ते, सरसों की बिजाई माह के अंत में करें

बिजाई पोरा विधि से करें और 4-5 सेंटीमीटर से अधिक गहराई में न बोएं

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। तोरिया की बिजाई 15 सितंबर तक अवश्य कर लें। वहीं, सरसों की बिजाई इस माह के अंत में शुरू करें। अगले माह राया की बिजाई के लिए खेत की तैयारी शुरू कर दें। केवल उन्नत किस्में बोएं। ध्यान रखें कि बिजाई पोरा विधि से इस प्रकार करें कि बीज 4-5 सेंटीमीटर से अधिक गहरा न पड़े।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से जारी सलाह के मुताबिक तोरिया की किस्म संगम, टी एल-15 व टी एच-68, देसी सरसों की किस्म बी एस एच-1, राया-सरसों की आर एच-30, वरुणा व आरएच-781, आर एच-819, लक्ष्मी, आर एच-9304 (वसुन्धरा), आर एच-9801 (स्वर्ण ज्योति) और आर बी-9901 (गीता) आर बी 50, आर एच 0119, आर एच 406, आर एच 0749, आर एच 725, पीली सरसों की किस्म वाई एस एच 0401 तारामीरा की किस्म टी-27 ही बोएं। इन सभी तिलहनों की बिजाई सिंचित क्षेत्रों में सवा किलोग्राम व बारानी क्षेत्रों में 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ लेकर कतारों में 30 सेंटीमीटर की दूरी पर करें।

सरसों को तना गलन रोग से बचाने के लिए बिजाई से पहले बीज को 2 ग्राम बाविस्टिन नामक दवा से प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें। बिजाई के समय सिंचित तोरिया तथा सरसों में 25 किलोग्राम यूरिया तथा 50 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में पोर दें व बाकी 25 किलोग्राम यूरिया पहली सिंचाई के समय डाल दें।

ऐसे करें प्रयोग

- नहरी इलाकों में राया के लिए क्रमशः 35 किलोग्राम यूरिया व 75 किलोग्राम सुपरफास्फेट प्रति एकड़ बिजाई के समय खेत में पोर दें। यदि जमीन रेतीली हो और गंधक की कमी हो तो फास्फोरस का स्रोत सिंगल सुपर फास्फेट ही चुनें। यदि फास्फोरस डीएपी द्वारा डालें तो खेत को तैयार करते समय ही 100 किलोग्राम जिप्सम प्रति एकड़ बिखेर कर खेत में मिला दें क्योंकि यह गंधक का एक सस्ता एवं अच्छा स्रोत है। गंधक वाले रसायनों के प्रयोग से जहां तिलहनी फसलों की उपज में वृद्धि होती है वहां तेल प्रतिशतता में भी भारी सुधार होता है।
- बारानी इलाकों में तोरिया, सरसों व बंगा सरसों के लिए 35 किलोग्राम यूरिया तथा 50 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ बिजाई के समय पोर दें।
- ध्यान रखें कि सिंगल सुपर फास्फेट के साथ जिप्सम डालने की आवश्यकता नहीं है। यदि जमीन में जस्ते की कमी हो तो प्रति एकड़ बिजाई के समय 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट 20-25 किलोग्राम सूखी भुरभुरी मिट्टी में मिलाकर खेत को तैयार करते समय मिला दें। राया में एजोटोबैक्टर के टीके का प्रयोग लाभप्रद है।